एस.एस. मोदी एज्यूकेशन ट्रस्ट द्वारा मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं के सहयोग से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन

माई झुं. 9 फरवरी। मोदी मेले 2007 के अवसर पर एस.एस. मोदी एज्यूकेशन ट्रस्ट द्वारा मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं के सहयोग से एसएस मोदी स्कूल परिसर में शुक्रवार रात्रि आयोजित कवि सम्मेलन 'अट्टहास' रात्रि साढ़े नौ बजे प्रारंभ हुआ। सम्मेलन डेढ बजे समाप्त हुआ। हल्की फुल्की हास्य रचनाओं से शुरु हुए सम्मेलन ने बीच-बीच में हास्य के चरम को छुआ। देश के ख्यात कवियों से सजे सम्मेलन में काफी संख्या में शहरवासी एवं जिले से आए लोग उपस्थित थे। श्रोताओं के जोश एवं उत्साह ने कवियों की खूब हौसला अफजाई की। सम्मेलन में वीर, श्रृंगार एवं हास्य रस की रचनाएं पढ़ी गई। वीर एवं श्रृंगार रस के कवि भी बीच-बीच में हास्य की फुलझड़िया छोड़ी। कंपकंपाती ठंड में श्रोताओं का हौसला देखकर कई कवियों ने भी उनको दाद दी। डॉ. हरीओम पंवार ने अपने अब तक के 21 लाल किले पर हुए पुराने सम्मेलनों की यादों को आज के शानदार मारवाड़ी युवा मंच एवं एसएस मोदी ट्रस्ट के राष्ट्रीय कवि सम्मेलन पर न्यौछावर करने तक की बात कह कर कवि सम्मेलन की सफलता की प्रशंसा की।

फोटो-रामनिवास सोनी

सर्द रात में दूधिया रोशनी में नहाया एसएस मोदी स्कूल परिसर तथा कवियों की रचनाएं श्रोताओं के जेहन में अमिट छाप छोड़ गई। कवि सम्मेलन की मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह थी। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश शशिकुमार पारीक उपस्थित थे। इसके अलावा सीजेएम रमेशचन्द्र शर्मा, एसीजेएम राकेश कटारा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़, लायंस क्लब के संरक्षक डॉ. जेसी जैन, सहप्रानतपाल लायन श्रवणकुमार केजड़ीवाल, मोदी ट्रस्ट के आदित्य मोदी, चंद्रकांत मोदी, ज्वालाप्रसाद मोदी, चारू मोदी, निदेशक अनिता बंसल, स्नेहलता शेखावत, रश्मि शेखावत, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हरीश तुलस्यान, मंच अध्यक्ष सम्मत चुड़ेलेवाला, संयोजक देवकीनंदन तुलस्यान, नवल खंडेलिया, प्रमोद खंडेलिया, सहसंयोजक प्रदीप पाटोदिया, प्रदीप मोदी, मनीष अग्रवाल, सचिव राजेश केजड़ीवाल, कोषाध्यक्ष निर्मल मोदी सहित मंच सदस्य एवं शहर के सभी संस्थाओं सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं शाखा को विगत माह मिले सम्मान को प्रान्तीय अध्यक्ष हरीश तुलस्यान द्वारा माननीया विधानसभा अध्यक्षा के करकमलों से मंच अध्यक्ष सम्पत चुड़ेलेवाला एवं सचिव राजेश केजड़ीवाल को प्रदान करवाये गए। मंच का संचालन मंच सरक्षक परमेश्वर हलवाई एवं ट्रस्ट निदेशक श्रीमती अनिता बंसल द्वारा किया गया।

इससे पहले अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके बाद अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद कवियों का भी सम्मान किया गया। आखिर में ट्रस्ट के ओर से ट्रस्ट सदस्यों का सम्मान किया गया। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी भी की गई। गुब्बारे उड़ाने के साथ ही कवि सम्मेलन प्रारंभ हो गया। कवि डॉ. विष्णु सक्सेना की शारदा वंदना हे सरस्वती माँ तुम्हारी प्रथम करता हूं वंदना के साथ सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ।

फोटो-रामनिवास सोनी
www.myjhunjhunu.com/modymela

दिनेश दिग्गज

कवि सम्मेलन में पहली रचना सुनाने का मौका उज्जैन के हास्य रस के कवि दिनेश दिग्गज को मिला। हास्य रस की कविताओं चुटकलों से श्रोताओं को खूद गुदगुदाया। उन्होंने सरकारी नारों पर कटाक्ष करते हुए सबको शिक्षा एवं दूसरा बच्चा कब पहला स्कूल जाए तब के माध्यम से श्रोताओं को गुदगुदाया। उन्होंने कहा कि पहले बच्चों को जेब खर्च कम एवं सीख ज्यादा दी जाती है। वर्तमान में इससे ठीक उलटा है। आज बच्चे को जेब खर्च के हजारों दिए जाते है लेकिन सीख नहीं दी जाती।

उन्होंने मच्छर ने मल्लिका शेखावत को काटा, मैंने स्वास्थ्य अधिकारी को डांटा, उसने बताया कि चिकनगुनिया का प्रकोप है, फिर मच्छरों को ज्यादा स्कोप हे, सुनाकर वाहवाही बटोरी। दिग्गज ने प्यार को समझना है तो कबीर को पढ़ लिया होता तथा चल छत से कूद पड़े दोनों फिर तू भीसुखी, मैं सुखी पेश कर गुदगुदाया।

महेन्द्र अजनबी

हास्य रस के महेन्द्र महेन्द्र अजनबी आते हास्य की खूब सारी फुलझड़िया दागी और श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने सुनाया कि मास्टरजी ने बच्चे से पूछा कि लालू ने चारा खाया इसका भविष्यकाल बताओ तो बच्चे ने कहा कि लालू दूध देगा। वाजपेयी की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि वे जब से हटे हैं तब से कोई नहीं पूछता। उन्होंने अखबारों के शीर्षकों तथा ट्रकों के पीछे लिखे स्लोगनों को जोड़कर प्रभावी अंदाज में पेश किया। उन्होंने बताया कि अखबार का शीर्षक था कि प्रधानमंत्री द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा इसके ठीक नीचे लिखा था आठवीं नवी फेल दसवीं पास करें। कार की ट्रक से टककर हो गई। कार पे लिखा था सावन को आने दो तो ट्रक पर लिखा था आया सावन झूम के । उन्होंन जनसंख्या वृद्धि एवं भारतीय खिलाड़ियों के ओलम्पिक प्रदर्शन पर भी चोट की।

कवि सम्मेलन की ऑडियो सिडी उपलब्ध है

माई झुं. न्यूज। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन 9 फरवरी 07 की ऑडियो सिडी उपलब्ध है। इस हेतु सम्पर्क करें-मंच अध्यक्ष सम्पत चुड़ेलेवाला, सचिव राजेश केजड़ीवाल, कोषाध्यक्ष निर्मल मोदी व संयोजक देवकी नन्दन तुलस्यान से।

डॉ. सीता सागर

लखनऊ से आई इस कवियत्री ने शहीद परिवारों की मनोस्थिति का चित्रण करने वाला गीत सुनाकर माहौल भावपूर्ण कर किया। कह रहे अलविदा डबडबाए नयन, ओ शहीदों तुम्हें मेरे सौ-सौ नम पेश किया।

बहिन की पीड़ा लाज राखी की भैया निभाकर गए, हाथ क्या चीज है सिर कटाकर गए, आखिरी सांस तक जूझते ही रहे, जान हंसते-हंसते गंवाकर गए, हर किस को यही सीख देते रहे, जिंदगी हो वतन, मौत भी हो वतन, ओ शहीदों तुम्हें... को बयां किया। पत्नी के दर्द को सरहदों पर लहू जो था उसका गिरा अब वहीं मांग का मेरा सिंदूर है, चिर सुहागिन हूं विधवा ना मुझको कहो, प्राण हैं वो मेरे फिर कहां दूर है, है शहादत पे उनकी मेरा नमन, हर जन्म में मिले मुझको यह सजन, ओ शहीदों तुम्हे के माध्यम से पेश किया। पिता के गर्व मिश्रिम गम को वीर का बाप होना बड़ी बात है, इससे बढ़कर भला कौन सम्मान, मेरा बेटा है कल लोग थे जानते, बाप हूं उसका अब मेरी पहचान है, जिसके कांधे पर जाना था मुझको कभी, वह चला मेरे कांधे पे ओढ़े, कफन ओ शहीदों तुम्हे प्रस्तुत कर माहौल गमगीन कर दिया।

डॉ. विष्णु सक्सेना

श्रृंगार रस के कवि प्रेम से रचे बसे मुक्तक सुनाकर माहौल में रूमानित भर दी। उन्होंने आए है तो काटेंगे एक रात तुम्हारी बस्ती में चाहोगे तो कर लेंगे दो बात तुम्हारी बस्ती में तपती हुई जमीं में जलधार बांटता हूं, पतझड़ के रास्तों में बहार बांटता हूं, ये आग का दरिया है जीना भी बहुत मुश्किल नफरत के दौर में भी मैं प्यार बांटता हूं, कूदरत ने बनाया तुम्हे सांचे में ढालकर, ऐसे में कोई कैसे रखे दिल को संभालकर, पतझड़ में भी वो डाल हिलाकर चला गया वो बर्फ सा था फिर भी जलाकर चला गया आंखों से जाने क्या-क्या पिलाकर चला गया बेदाम चीज थी तो उसमें दाम क्यों लिखा, तुम रत्ती ही नहीं तो मुझे काम क्यों लिखा, पेश कर श्रोताओं को मस्ती से सरोबोर कर दिया। उन्होंने गीत रेत पर नाम लिखने से क्या फायद पेश किया तो श्रोता वंस मोर-वंस मोर कठ उठे। इस गीत की पंक्तियों मे तो होली मना लूंगा सच मानिए तथ दिल की जमी पर जब फसल यादों की बोओगे जिससे जितना प्यार करोगे उतना रोवोगे पर श्रोता झूमने लगे।

डॉ. हरीओम पंवार

पंवार ने आते ही जोशिले अंदाज में लाल किले का भाषण भी कमजोर दिखाई देता है पेश कर भारत-पाक संबंधों पर जबरदस्त प्रहार किए। उन्होंने देश के नेताओं को अपने व्यंग्य बाणों से बींधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। संसद पर हमले के आरोपी अफजल की फांसी की सजा को लेकर हो रही राजनीति पर उन्होंने ये जो कातिल की फांसी की तैयारी है, ये दरबारी कायरता है, अपराधिक गद्दारी है तथा जो भी अफजल की फांसी को रुकवाने में शामिल है, वे सब फांसी पर टंग जाने के काबिल है। उन्होंने शेर होवोगे तुम बड़े अपराधी, चुनाव जीतकर क्यों नहीं आते के माध्यम से राजनीतिज्ञों पर करारा प्रहार किया। कश्मीर मसला अगर भारत को शांति चाहिए कश्मीर की वैली में, दिल्ली उत्तर देना सीखे इजराइल की शैली में के माध्यम हल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कारगिल शहीदों के लिए कोई मौल नहीं दे सकता बासंती जज्बातों का पेश की। शहीद की पत्नी का दर्द उन आंखों की दो बूंदे के आगे सातों सागर हारे, जब मेहंदी वालों हाथों ने मंगल सूत्र उतारे बयां किया तो देर तक तालियां बजती रही।

शशिकुमार पारीक

सम्मेलन के अति विशिष्ट अतिथि जिला न्यायाधीश शशिकुमार पारीक का कवि हृदय भी सम्मेलन की सफलता देखकर बेकरार हो उठा। संक्षिप्त काव्य पाठ में ही वे बेहद गहरी बात कह गए। उन्होंने समाज एवं देश में बढ़ी कन्या भ्रूण हत्या के दर्द को नर-नारी की नफरी का हिसाब कुदरत ने रखा फिफ्टी-फिफ्टी के माध्यम से पेश किया। उन्होंने लड़के लिए लड़के लड़-लड़के मरेंगे पर तालियां बटोरी। अंत में उन्होंने शेर जिनके अजीज थे हम जिंदगी की तरह पास से गुजर गए अजनबी की तरह पेश किया। मंच पर संचालक से हुई प्यार भरी नोकझोंक ने भी दर्शकों को हंसा-हंसाकर पेट पकडने को मजबूर कर दिया।

शैलेश लोढ़ा

कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे जोधपुर के कवि शैलेश लोढ़ा ने हास्य रससे भरे चुटकले एवं क्षणिकाएं सुनाई। मारवाड़ी लोगों पर केन्द्रित उनके चुटकले न केवल सराहे गये बल्कि श्रोताओं को पेट पकड़ने पर भी मजबूर कर गए। लोढ़ा ने अपनी पसंदीदा कविता माँ सुनाई तो श्रोता सोचने को मजबूर हो गए। उन्होंने तरक्की की रेखा तेरे बेटों को छूकर जाती है, पर मां हमें तुम्हारी बहुत याद आती है पेश कर तालियां बटोरी। विदित है कि शैलेश सब टीवी पर वाहवाह कार्यक्रमों में अपनीशैलीसे काफी लोकप्रिय है।

सुरेन्द्र शर्मा

हास्य के ख्यात कवि सुरेन्द्र शर्मा ने आते ही पतियों के समर्थन में आवाज बुलंद करनी शुरु दी। उन्होंने खुद को पतियों का संत व अम्बेडकर की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष की तपस्या से ही ऐसे संत मिलते हैं। सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि हिन्दुस्तान में एक जन्म में प्यार का कोटा पूरा नहीं होता इसलिए सात जन्म में सात साथ निभाने की कसमें खाई जाती हैं। उन्होंने पति के पत्नी से डरने के कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सिने स्टार सलमान खान का हरिण प्रकरण पर कटाक्ष किया कि सलमान ने हरिण का शिकार किया तो ऐश्वर्या उससे छीन गई। हरिण को शिकार जिसने भी किया वह पछताया है चाहे वह राम ही क्यों ना हो। उन्होंने युवाओं की नसीहत दी कि अपनी इच्छाओं को बांधे रखिए वरना ये गुनाहों में बदल जाएगी। उन्होंने पतियों की तीन श्रेणी बहादुर पति, गुलाम पति एवं महागुलाम पति बताए तथा इनकी अलग-अलग व्याख्या की। उन्होंने कहा कि मैं छोरै न राम बणनै की प्रेरणा दी तो पत्नी चिल्लाई और बोली तुम दशरथ बन कर तीन शदियां करना चाहते हो क्या। उन्होंने अंत में तमाचा मैंने मारा है तो तमाचा मुझे भी खाना पड़ेगा पेश कर रात्रि 1.30 बजे कार्यक्रम समाप्त की घोषणा की। विदित है कि विगत 28 मार्च 2004 को भी मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनूं द्वारा एस.एस. मोदी विद्या विहार झुंझुनूं में ही सफल राष्ट्रीय कवि सम्मेलन करवाया गया था जिसमें उक्त अधिकांशत: कवियो ने भाग लिया था।

नन्दन कानन में हुआ फाल्गुनी उत्सव

माई झु. 25 फरवरी। समसपुर रोड़ स्थित (नन्दन कानन) में फाल्गुन मस्ती का रंगारंग महोत्सव का आयोजन रामचन्द्र मोदी, आत्माराम टीबड़ा, विनोद जालान एवं निर्मल मोदी द्वारा करवाया गया। शहर के गणमान्य जनों ने आयोजकों द्वारा किये गये प्रसाद को ग्रहण किया तथा जयपुर से आई पार्टी ने रंगारंग फाल्गुन की मस्ती का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसका उपस्थित सभी व्यक्तियों ने आनन्द उठाया।